स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत पहुंचे मेहमान

30 देशों के प्रतिनिधियों ने देखा महाकाल लोक

पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उज्जैन. परियोजना और जोखिम प्रबंधन पर तीन सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम में 30 देशों के प्रतिनिधियों ने स्मार्ट सिटी परियोजना अंतर्गत श्री महाकाल महालोक का दौरा किया। यह शैक्षिक कार्यक्रम भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के अंतर्गत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली ने आयोजित किया है।

कार्यक्रम में कोटे डी आइवर, अल्जीरिया, कैमरून, गाम्बिया, नाइजीरिया, टोगो, दक्षिण सूडान, उज्बेकिस्तान, कोमोरोस, दक्षिण अफ्रीका, इराक, साओ टोम गणराज्य, इक्वाडोर, म्यांमार, लाओस, युगांडा, ताजिकिस्तान, मंगोलिया, माली, कंबोडिया के प्रतिनिधि, भूटान, वियतनाम, इथियोपिया, घाना, बुरुंडी, फिलिस्तीन, मोजाम्बिक, मोरक्को, श्रीलंका, कजाकिस्तान, मेडागास्कर और सिएरा लियोन देश के प्रतिनिधि मौजूद थे। उन्होंने स्मार्ट के प्रोजेक्ट्स को करने में किन-किन तकनीकों का उपयोग लाया गया और प्रोजेक्ट्स को इंप्लीमेंट करने में आई मुश्किलों को केसे सॉल्व किया, इन सभी पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक सिंहस्थ प्रबंधन और सतत विरासत पर आधारित एक व्यापक प्रेजेन्टेशन था। इसे स्मार्ट सिटी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रौशन कुमार सिंह व स्मार्ट सिटी सीईओ आशीष पाठक ने दिया। प्रस्तुति के बाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को त्रिवेणी संग्रहालय, महाकाल महालोक और श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कराए गए।

30 देशों के प्रतिनिधियों ने महाकाल दर्शन कर उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना का दौरा किया

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

18/09

तीन सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम में आए 30 देशों के प्रतिनिधियों ने महाकाल के दर्शन किए और उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत महाकाल लोक का दौरा किया।

यह शैक्षिक कार्यक्रम भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के तहत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और संचालित किया जा रहा है। जिसमे कोटे डी आइवर, अल्जीरिया, कैमरून, गाम्बिया, नाइजीरिया, टोगो, दक्षिण सूडान, उज्बेकिस्तान, कोमोरोस, दक्षिण अफ्रीका, इराक, साओ टोम गणराज्य, इक्वाडोर, म्यांमार, लाओस, युगांडा, ताजिकिस्तान, मंगोलिया, माली, कंबोडिया के प्रतिनिधि , भूटान, वियतनाम, इथियोपिया, घाना, बुरुंडी, फिलिस्तीन, मोजाम्बिक, मोरक्को, श्रीलंका, कजाकिस्तान, मेडागास्कर और सिएरा लियोन इन सभी देशों के प्रतिनिधियों द्वारा उज्जैन स्मार्ट के प्रोजेक्ट्स को करने में किन-किन तकनीकों का उपयोग लाया गया और प्रोजेक्ट्स को इंप्लीमेंट करने में आई मुश्किलों को केसे सॉल्व किया, इन सभी पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

सिंहस्थ प्रबंधन पर प्रजेंटेशन दिया

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक सिंहस्थ प्रबंधन और सतत विरासत पर आधारित एक व्यापक प्रेजेन्टेशन था, जिसे उज्जैन स्मार्ट सिटी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर (उज्जैन नगर निगम कमिश्नर) रौशन कुमार सिंह एवं स्मार्ट सिटी सीईओ आशीष कुमार पाठक द्वारा दिया गया।

30 देश के प्रतिनिधियों ने श्री महाकाल महालोक को देखा

उज्जैन, अग्निपथ। 30 अलग-अलग देशों से आये प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को श्री महाकाल महालोक का दौरा किया। उन्होंने स्मार्ट सिटी के कामकाज का अवलोकन किया।

परियोजना और जोखिम प्रबंधन पर तीन सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम के तहत यह प्रतिनिधिमंडल आया था। यह शैक्षिक कार्यक्रम भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के तहत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और संचालित किया जा रहा है।

जिसमे कोटे डी आइवर, अल्जीरिया, कैमरून, गाम्बिया, नाइजीरिया, टोगो, दक्षिण सूडान, उज्बेकिस्तान, कोमोरोस, दक्षिण अफ्रीका, इराक, साओ टोम गणराज्य, इक्वाडोर, म्यांमार, लाओस, युगांडा, ताजिकिस्तान, मंगोलिया, माली, कंबोडिया के प्रतिनिधि , भूटान, वियतनाम, इथियोपिया, घाना, बुरुंडी, फ़िलिस्तीन, मोजाम्बिक, मोरक्को, श्रीलंका, कजाकिस्तान, मेडागास्कर और सिएरा लियोन इन सभी देशों के प्रतिनिधियों द्वारा उज्जैन स्मार्ट के प्रोजेक्ट्स को करने में किन-किन तकनीकों का उपयोग लाया गया और प्रोजेक्ट्स को इंप्लीमेंट करने में आई मुश्किलों को केसे सॉल्व किया, इन सभी पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक सिंहस्थ प्रबंधन और सतत विरासत पर आधारित एक व्यापक प्रेजेन्टेशन था, जिसे उज्जैन स्मार्ट

सिटी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर निगम आयुक्त रौशन कुमार सिंह एवं स्मार्ट सिटी सीईओ आशीष कुमार पाठक द्वारा दिया गया था। प्रेजेन्टेशन ने प्रतिनिधियों को परियोजना के लक्ष्यों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं की गहरी समझ प्रदान की।

प्रस्तुति के बाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को त्रिवेणी संग्रहालय, महाकाल महालोक और उज्जैन के एक प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल और श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जाना।

विभिन्न देशों के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधियों ने उज्जैन में अपनी यात्रा के दौरान प्राप्त आतिथ्य और मूल्यवान ज्ञान के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। वे नई परियोजना प्रबंधन की गहरी समझ के साथ रवाना हुए, जिसे वे अपने स्मार्ट सिटी पहल और अन्य विकास परियोजनाओं में योगदान देने के लिए अपने संबंधित देशों में लागू करने की योजना बना रहे हैं।

30 विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना का दौरा किया

उज्जैन। परियोजना और जोखिम प्रबंधन पर तीन सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम में, 33 देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत महाकाल महालोक का दौरा किया। यह शैक्षिक कार्यक्रम भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के तहत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और संचालित किया जा रहा है।

जिसमे कोटे डी आइवर, अल्जीरिया, कैमरून, गाम्बिया, नाइजीरिया, टोगो, दक्षिण सूडान, उज्बेकिस्तान, कोमोरोस, दक्षिण अफ्रीका, इराक, साओ टोम [illegible], इक्वाडोर, म्यांमार, लाओस, युगांडा, ताजिकिस्तान, मंगोलिया माली, कंबोडिया के प्रतिनिधि, भूटान, वियतनाम, इथियोपिया, घाना, बुरुंडी, फिलिस्तीन, मोजाम्बिक, मोरक्को, श्रीलंका, कजाकिस्तान, मेडागास्कर और सिएरा लियोन इन सभी देशों के प्रतिनिधियों द्वारा उज्जैन स्मार्ट के प्रोजेक्ट्स को करने में किन-किन तकनीकों का उपयोग लाया गया और प्रोजेक्ट्स को इंप्लीमेंट करने में आई मुश्किलों को केसे साल्व किया, इन सभी पर [illegible] की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक कुंभ प्रबंधन और सतत विरासत पर आधारित एक व्यापक प्रेजेन्टेशन था, जिसे उज्जैन स्मार्ट सिटी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर (उज्जैन नगर निगम कमिश्नर) रौशन कुमार सिंह एवं स्मार्ट सिटी सीईओ आशीष कुमार पाठक द्वारा दिया गया। प्रेजेन्टेशन ने प्रतिनिधियों को परियोजना के लक्ष्यों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं की गहरी समझ प्रदान की।

प्रेजेन्टेशन के बाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने त्रिवेणी संग्रहालय, महाकाल महालोक और उज्जैन के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल और महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जाना।

डॉ. तनेजा के द्वारा बताया गया की सतत शहरी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया हैं। उन्होंने परियोजना और जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में प्रतिनिधियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

विभिन्न देशों के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधियों ने उज्जैन में अपनी यात्रा के दौरान प्राप्त आतिथ्य और मूल्यवान ज्ञान के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। वे नई परियोजना प्रबंधन की गहरी समझ के साथ रवाना हुए, जिसे वे अपने स्मार्ट सिटी पहल और अन्य विकास परियोजनाओं में योगदान देने के लिए अपने संबंधित देशों में लागू करने की योजना बना रहे हैं।

Delegates from 32 countries visit USC

FP NEWS SERVICE
Ujjain

In a three-week international development programme on project and risk management, delegates visited Ujjain Smart City (USC) Project at Mahakal Lok. The educational programme was organised and conducted by the Indian Institute of Public Administration (IIPA), New Delhi, under the Indian Technical and Economic Cooperation (ITEC) programme, supported by the Ministry of External Affairs (MEA), Government of India.

The delegates from Cote D'ivoire, Algeria, Cameroon, Gambia, Nigeria, Togo, South Sudan, Uzbekistan, Comoros, South Africa, Iraq, Republic of Sao Tome, Ecuador, Myanmar, Laos, Uganda, Tajikistan, Mongolia, Mali, Cambodia, Bhutan, Vietnam, Ethiopia, Ghana, Burundi, Palestine, Mozambique, Morocco, Sri Lanka, Kazakhstan, Madagascar and Sierra Leone were briefed about valuable insights into project management techniques and risk mitigation strategies with a special focus on Ujjain Smart City Project.

One of the programme highlights was a comprehensive presentation based on Kumbh management and persevering heritage which was delivered by Raushan Kumar Singh, UMC commissioner (executive director, USCL) and Ashish Kumar Pathak, the CEO of Ujjain Smart City project. The presentation provided delegates with a deep understanding of the project's goals, achievements and future prospects.

Following the presentation, the international delegation had the opportunity to explore the rich cultural heritage of Ujjain by visiting Triveni Museum, Mahakal Lok and the revered Mahakaleshwar Temple, a prominent religious and cultural landmark in Ujjain.

Closing remarks by Dr Taneja emphasised the importance of international co-operation in achieving sustainable urban development goals. He also extended his best wishes to the delegates in their future endeavours in the field of project and risk management.

दौरा कार्यक्रम उज्जैन के धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल और श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जाना

30 देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना का किया दौरा

उज्जैन ■ राज न्यूज नेटवर्क

परियोजना और जोखिम प्रबंधन पर तीन सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम में 30 देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत गत दिवस श्री महाकाल महालोक का दौरा किया। यह शैक्षिक कार्यक्रम भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के तहत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और संचालित किया जा रहा है।

जिसमे कोटे डी आइवर, अल्जीरिया, कैमरून, गाम्बिया, नाइजीरिया, टोगो, दक्षिण सूडान, उज्बेकिस्तान, कोमोरोस, दक्षिण अफ्रीका, इराक, साओ टोम गणराज्य, इक्वाडोर, म्यांमार, लाओस, युगांडा, ताजिकिस्तान, मंगोलिया, माली, कंबोडिया के प्रतिनिधि भूटान, वियतनाम, इथियोपिया, घाना, बुरुंडी, फिलिस्तीन, मोजाम्बिक, मोरक्को, श्रीलंका, कजाकिस्तान, मेडागास्कर और सिएरा

लियोन इन सभी देशों के प्रतिनिधियों द्वारा उज्जैन स्मार्ट के प्रोजेक्ट्स को करने में किन-किन तकनीकों का उपयोग लाया गया और प्रोजेक्ट्स को इंप्लीमेंट करने में आई मुश्किलों को केसे सॉल्व किया, इन सभी पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

मुख्य आकर्षणों में से एक सिंहस्थ प्रबंधन और सतत विरासत पर आधारित एक व्यापक प्रेजेन्टेशन था। जिसे उज्जैन स्मार्ट सिटी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, उज्जैन नगर निगम कमिश्नर रौशन कुमार सिंह एवं स्मार्ट सिटी सीईओ आशीष कुमार पाठक द्वारा दिया गया था।

प्रेजेन्टेशन ने प्रतिनिधियों को परियोजना के लक्ष्यों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं की गहरी समझ प्रदान की। प्रस्तुति के बाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को त्रिवेणी संग्रहालय,

महाकाल महालोक और उज्जैन के एक प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल और श्री महाकालेश्वर के दर्शन कर उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जाना। विभिन्न देशों के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधियों ने अपनी यात्रा के दौरान प्राप्त आतिथ्य और मूल्यवान ज्ञान के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। वे नई परियोजना प्रबंधन की गहरी समझ के साथ रवाना हुए। जिसे वे अपने स्मार्ट सिटी पहल और अन्य विकास परियोजनाओं में योगदान देने के लिए अपने संबंधित देशों में लागू करने की योजना बना रहे हैं।

30 विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना का दौरा किया

उज्जैन । परियोजना और जोखिम प्रबंधन पर तीन सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम में, 33 देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत महाकाल महालोक का दौरा किया। यह शैक्षिक कार्यक्रम भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के तहत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और संचालित किया जा रहा है।

जिसमे कोटे डी आइवर, अल्जीरिया, कैमरून, गाम्बिया, नाइजीरिया, टोगो, दक्षिण सूडान, उज्बेकिस्तान, कोमोरोस, दक्षिण अफ्रीका, इराक, साओ टोम गणराज्य, इक्काडोर, म्यांमार, लाओस, युगांडा, ताजिकिस्तान, मंगोलिया, माली, कंबोडिया के प्रतिनिधि , भूटान, वियतनाम, इथियोपिया, घाना, बुरुंडी, फिलिस्तीन, मोजाम्बिक, मोरक्को, श्रीलंका, कजाकिस्तान, मेडागास्कर और सिएरा लियोन इन सभी देशों के प्रतिनिधियों द्वारा उज्जैन स्मार्ट के प्रोजेक्ट्स को करने में किन-किन तकनीकों का उपयोग लाया गया और प्रोजेक्ट्स को इंप्लीमेंट करने में आई मुश्किलों को केसे सॉल्व किया, इन सभी पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक कुंभ प्रबंधन और सतत विरासत पर आधारित एक व्यापक प्रेजेन्टेशन था, जिसे उज्जैन स्मार्ट सिटी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर (उज्जैन नगर निगम कमिश्नर) श्री रौशन कुमार सिंह एवं स्मार्ट सिटी सीईओ श्री आशीष कुमार पाठक द्वारा दिया गया। प्रेजेन्टेशन ने प्रतिनिधियों को परियोजना के लक्ष्यों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं की गहरी समझ प्रदान की।

प्रेजेन्टेशन के बाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने त्रिवेणी संग्रहालय, महाकाल महालोक और उज्जैन के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल और श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जाना। डॉ. तनेजा के द्वारा बताया गया की सतत शहरी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया हैं। उन्होंने परियोजना और जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में प्रतिनिधियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

विभिन्न देशों के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधियों ने उज्जैन में अपनी यात्रा के दौरान प्राप्त आतिथ्य और मूल्यवान ज्ञान के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। वे नई परियोजना प्रबंधन की गहरी समझ के साथ रवाना हुए, जिसे वे अपने स्मार्ट सिटी पहल और अन्य विकास परियोजनाओं में योगदान देने के लिए अपने संबंधित देशों में लागू करने की योजना बना रहे हैं।

30 विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना का दौरा किया

उज्जैन। परियोजना और जोखिम प्रबंधन पर तीन सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम में, 33 देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत महाकाल महालोक का दौरा किया। यह शैक्षिक कार्यक्रम भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के तहत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और संचालित किया जा रहा है।

जिसमे कोटे डी आइवर, अल्जीरिया, कैमरून, गाम्बिया, नाइजीरिया, टोगो, दक्षिण सूडान, उज्बेकिस्तान, कोमोरोस, दक्षिण अफ्रीका, इराक, साओ टोम गणराज्य, इक्वाडोर, म्यांमार, लाओस, युगांडा, ताजिकिस्तान, मंगोलिया, माली, कंबोडिया के प्रतिनिधि , भूटान, वियतनाम, इथियोपिया, घाना, बुरुंडी, फिलिस्तीन, मोजाम्बिक, मोरक्को, श्रीलंका, कजाकिस्तान, मेडागास्कर और सिएरा लियोन इन सभी देशों के प्रतिनिधियों द्वारा उज्जैन स्मार्ट के प्रोजेक्ट्स को करने में किन-किन तकनीकों का उपयोग लाया गया और प्रोजेक्ट्स को इंप्लीमेंट करने में आई मुश्किलों को केसे सॉल्व किया, इन सभी पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक कुंभ प्रबंधन और सतत विरासत पर आधारित एक व्यापक प्रेजेन्टेशन था, जिसे उज्जैन स्मार्ट सिटी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर (उज्जैन नगर निगम कमिश्नर) श्री रौशन कुमार सिंह एवं स्मार्ट सिटी सीईओ श्री आशीष कुमार पाठक द्वारा दिया गया। प्रेजेन्टेशन ने प्रतिनिधियों को परियोजना के लक्ष्यों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं की गहरी समझ प्रदान की। प्रेजेन्टेशन के बाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने त्रिवेणी संग्रहालय, महाकाल महालोक और उज्जैन के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल और श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जाना।

डॉ. तनेजा के द्वारा बताया गया की सतत शहरी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया हैं। उन्होंने परियोजना और जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में प्रतिनिधियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

विभिन्न देशों के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधियों ने उज्जैन में अपनी यात्रा के दौरान प्राप्त आतिथ्य और मूल्यवान ज्ञान के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। वे नई परियोजना प्रबंधन की गहरी समझ के साथ रवाना हुए, जिसे वे अपने स्मार्ट सिटी पहल और अन्य विकास परियोजनाओं में योगदान देने के लिए अपने संबंधित देशों में लागू करने की योजना बना रहे हैं।

30 विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना का दौरा किया

उज्जैन, निप्र। परियोजना और जोखिम प्रबंधन पर तीन सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम में, 33 देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत महाकाल महालोक का दौरा किया। यह शैक्षिक कार्यक्रम भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के तहत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और संचालित किया जा रहा है।

जिसमे कोटे डी आइवर, अल्जीरिया, कैमरून, गाम्बिया, नाइजीरिया, टोगो, दक्षिण सूडान, उज्बेकिस्तान, कोमोरोस, दक्षिण अफ्रीका, इराक, साओ टोम गणराज्य, इक्वाडोर, म्यांमार, लाओस, युगांडा, ताजिकिस्तान, मंगोलिया, माली, कंबोडिया के प्रतिनिधि , भूटान, वियतनाम, इथियोपिया, घाना, बुरुंडी, फिलिस्तीन, मोजाम्बिक, मोरक्को, श्रीलंका, कजाकिस्तान, मेडागास्कर और सिएरा लियोन इन सभी देशों के प्रतिनिधियों द्वारा उज्जैन स्मार्ट के प्रोजेक्ट्स को करने में किन-किन तकनीकों का उपयोग लाया गया और प्रोजेक्ट्स को इंप्लीमेंट करने में आई मुश्किलों को केसे सॉल्व किया, इन सभी पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक कुंभ प्रबंधन और सतत विरासत पर आधारित एक व्यापक प्रेजेन्टेशन था, जिसे उज्जैन स्मार्ट सिटी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर (उज्जैन नगर निगम कमिश्नर) रौशन कुमार सिंह एवं स्मार्ट सिटी सीईओ आशीष कुमार पाठक द्वारा दिया गया। प्रेजेन्टेशन ने प्रतिनिधियों को परियोजना के लक्ष्यों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं की गहरी समझ प्रदान की। प्रेजेन्टेशन के बाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने त्रिवेणी संग्रहालय, महाकाल महालोक और उज्जैन के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल और महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जाना। डॉ. तनेजा के द्वारा बताया गया की सतत शहरी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया हैं। उन्होंने परियोजना और जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में प्रतिनिधियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं। विभिन्न देशों के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधियों ने उज्जैन में अपनी यात्रा के दौरान प्राप्त आतिथ्य और मूल्यवान ज्ञान के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। वे नई परियोजना प्रबंधन की गहरी समझ के साथ रवाना हुए, जिसे वे अपने स्मार्ट सिटी पहल और अन्य विकास परियोजनाओं में योगदान देने के लिए अपने संबंधित देशों में लागू करने की योजना बना रहे हैं।

30 विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना का दौरा किया

उज्जैन, निप्र। परियोजना और जोखिम प्रबंधन पर तीन सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम में, 33 देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत महाकाल महालोक का दौरा किया। यह शैक्षिक कार्यक्रम भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के तहत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और संचालित किया जा रहा है।

जिसमे कोटे डी आइवर, अल्जीरिया, कैमरून, गाम्बिया, नाइजीरिया, टोगो, दक्षिण सूडान, उज्बेकिस्तान, कोमोरोस, दक्षिण अफ्रीका, इराक, साओ - टोम गणराज्य, इक्वाडोर, म्यांमार, लाओस, युगांडा, ताजिकिस्तान, मंगोलिया, माली, कंबोडिया के प्रतिनिधि , भूटान, वियतनाम, इथियोपिया, घाना, बुरुंडी, फिलिस्तीन, मोजाम्बिक, मोरक्को, श्रीलंका, कजाकिस्तान, मेडागास्कर और सिएरा लियोन इन सभी देशों के प्रतिनिधियों द्वारा उज्जैन स्मार्ट के प्रोजेक्ट्स को करने में किन-किन तकनीकों का उपयोग लाया गया और प्रोजेक्ट्स को इंप्लीमेंट करने में आई मुश्किलों को केसे सॉल्व किया, इन सभी पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक कुंभ प्रबंधन और सतत विरासत पर आधारित एक व्यापक प्रेजेन्टेशन था, जिसे उज्जैन स्मार्ट सिटी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर (उज्जैन नगर निगम कमिश्नर) श्री रौशन कुमार सिंह एवं स्मार्ट सिटी सीईओ श्री आशीष कुमार पाठक द्वारा दिया गया। प्रेजेन्टेशन ने प्रतिनिधियों को परियोजना के लक्ष्यों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं की गहरी समझ प्रदान की।

प्रेजेन्टेशन के बाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने त्रिवेणी संग्रहालय, महाकाल महालोक और उज्जैन के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल और श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जाना।

डॉ. तनेजा के द्वारा बताया गया की सतत शहरी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया हैं। उन्होंने परियोजना और जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में प्रतिनिधियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

विभिन्न देशों के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधियों ने उज्जैन में अपनी यात्रा के दौरान प्राप्त आतिथ्य और मूल्यवान ज्ञान के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। वे नई परियोजना प्रबंधन की गहरी समझ के साथ रवाना हुए, जिसे वे अपने स्मार्ट सिटी पहल और अन्य विकास परियोजनाओं में योगदान देने के लिए अपने संबंधित देशों में लागू करने की योजना बना रहे हैं।

30 विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना का दौरा किया

उज्जैन। परियोजना और जोखिम प्रबंधन पर तीन सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम में,30 देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत गत दिवस श्री महाकाल महालोक का दौरा किया। यह शैक्षिक कार्यक्रम भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के तहत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और संचालित किया जा रहा है।

जिसमे कोटे डी आइवर, अल्जीरिया, कैमरून, गाम्बिया, नाइजीरिया, टोगो, दक्षिण सूडान, उज्बेकिस्तान, कोमोरोस, दक्षिण अफ्रीका, इराक, साओ टोम गणराज्य, इक्वाडोर, म्यांमार, लाओस, युगांडा, ताजिकिस्तान, मंगोलिया, माली, कंबोडिया के प्रतिनिधि , भूटान, वियतनाम, इथियोपिया, घाना, बुरुंडी, फिलिस्तीन, मोजाम्बिक, मोरक्को, श्रीलंका, कजाकिस्तान, मेडागास्कर और सिएरा लियोन इन सभी देशों के प्रतिनिधियों द्वारा उज्जैन स्मार्ट के प्रोजेक्ट्स को करने में किन-किन तकनीकों का उपयोग लाया गया और प्रोजेक्ट्स को इंप्लीमेंट करने में आई मुश्किलों को कैसे सॉल्व किया, इन सभी पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक सिंहस्थ प्रबंधन और सतत विरासत पर आधारित एक व्यापक प्रेजेन्टेशन था, जिसे उज्जैन स्मार्ट सिटी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर (उज्जैन नगर निगम कमिश्नर) श्री रौशन कुमार सिंह एवं स्मार्ट सिटी सीईओ श्री आशीष कुमार पाठक द्वारा दिया गया था। प्रेजेन्टेशन ने प्रतिनिधियों को परियोजना के लक्ष्यों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं की गहरी समझ प्रदान की।

प्रस्तुति के बाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को त्रिवेणी संग्रहालय, महाकाल महालोक और उज्जैन के एक प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल और श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जाना।

विभिन्न देशों के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधियों ने उज्जैन में अपनी यात्रा के दौरान प्राप्त आतिथ्य और मूल्यवान ज्ञान के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। वे नई परियोजना प्रबंधन की गहरी समझ के साथ रवाना हुए, जिसे वे अपने *स्मार्ट सिटी पहल और अन्य विकास परियोजनाओं में योगदान देने के लिए अपने संबंधित देशों में लागू करने की योजना बना रहे हैं।*

30 विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना का दौरा किया

अग्निपथाल न्यूज/उज्जैन

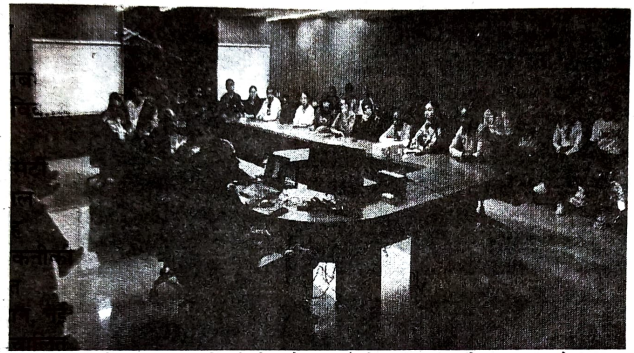

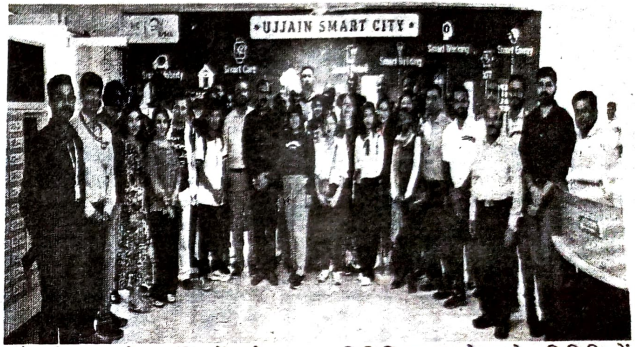

परियोजना और जोखिम प्रबंधन पर तीन सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम में, 33 देशों के प्रतिनिधियों ने उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत महाकाल महालोक का दौरा किया। यह शैक्षिक कार्यक्रम भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के तहत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और संचालित किया जा रहा है।

जिसमे कोटे डी आइवर, अल्जीरिया, कैमरून, गाम्बिया, नाइजीरिया, टोगो, दक्षिण सूडान, उज्बेकिस्तान, कोमोरोस, दक्षिण अफ्रीका, इराक, साओ टोम गणराज्य, इक्वाडोर, म्यांमार, लाओस, युगांडा, ताजिकिस्तान, मंगोलिया, माली, कंबोडिया के प्रतिनिधि , भूटान, वियतनाम, इथियोपिया, घाना, बुरुंडी, फिलिस्तीन, मोजाम्बिक, मोरक्को, श्रीलंका, कजाकिस्तान, मेडागास्कर और सिएरा लियोन इन सभी देशों के प्रतिनिधियों द्वारा उज्जैन स्मार्ट के प्रोजेक्ट्स को करने में किन-किन तकनीकों का उपयोग लाया गया और प्रोजेक्ट्स को इंप्लीमेंट करने में आई मुश्किलों को केसें सॉल्व किया, इन सभी पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक कुंभ प्रबंधन और सतत विरासत पर आधारित एक व्यापक प्रेजेन्टेशन था, जिसे उज्जैन स्मार्ट सिटी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर (उज्जैन नगर निगम कमिश्नर) श्री रौशन कुमार सिंह एवं स्मार्ट सिटी सीईओ आशीष कुमार पाठक द्वारा दिया गया। प्रेजेन्टेशन ने प्रतिनिधियों को परियोजना के लक्ष्यों, उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं की गहरी समझ प्रदान की।

प्रेजेन्टेशन के बाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने त्रिवेणी संग्रहालय, महाकाल महालोक और उज्जैन के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल और श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जाना।

डॉ. तनेजा के द्वारा बताया गया की सतत शहरी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया हैं। उन्होंने परियोजना और जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में प्रतिनिधियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

विभिन्न देशों के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधियों ने उज्जैन में अपनी यात्रा के दौरान प्राप्त आतिथ्य और मूल्यवान ज्ञान के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। वे नई परियोजना प्रबंधन की गहरी समझ के साथ रवाना हुए, जिसे वे अपने स्मार्ट सिटी पहल और अन्य विकास परियोजनाओं में योगदान देने के लिए अपने संबंधित देशों में लागू करने की योजना बना रहे हैं।